सलाइट में हिंदी माह का शुभारंभ, राजभाषा के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान

अर्थ प्रकाश/मोहन शर्मा

सुनाम/लोंगोवाल, 2 सितंबर। संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सलाइट) में हिंदी माह का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. मणिकांत पासवान की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. पासवान ने हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि संस्कृति, संवेदना, विचार और अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में ई-लर्निंग, डिजिटल शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट जैसे माध्यमों से हिंदी को ज्ञान-विज्ञान, शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रशासन से प्रभावी ढंग से जोड़ा जा सकता है। संस्थान में हिंदी का प्रयोग केवल हिंदी माह तक सीमित न रहकर नियमित कार्य-संस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी का विकास अन्य भारतीय भाषाओं के विरोध में नहीं, बल्कि उनके सम्मान और संरक्षण के साथ होना चाहिए।

अधिष्ठाता (संकाय एवं कर्मचारी कल्याण) प्रो. ए.एस. अरोड़ा ने प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के सरल एवं सहज प्रयोग पर जोर दिया। अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) प्रो. विजय के. कुकरेजा ने विद्यार्थियों से शिक्षा, संवाद और दैनिक जीवन में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने तथा हिंदी माह की गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया।

राजभाषा हिंदी विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार दास ने हिंदी माह के उद्देश्यों और आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं व गतिविधियों की जानकारी दी। समारोह में प्रो. सुरिंदर सिंह, प्रो. सुरिता मैनी, प्रो. आर.के. मिश्रा, प्रो. विकास नंदा, जगदीश चंद, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, कर्मचारी, राजभाषा समिति के सदस्य एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।